भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
दैनिक जागरण
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)
दिनांक : 24.08.2019

आइआइटी बीएचयू में गूगल स्टार्ट-अप वीकेंड स्पर्धा शुरू

जासं, वाराणसी : गूगल के सहयोग से आइआइटी, बीएचयू में शुक्रवार को उद्यमिता को बढ़ावा देने की गरज से 54 घंटे तक चलने वाले 'स्टार्ट-अप वीकेंड' स्पर्धा का आगाज हुआ। पहले दिन प्रतिभागियों ने पैनल के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए। इनमें से चयनित करीब 50 विचारों पर अगले दो दिन तक टीम बनाकर प्रतिभागी काम करेंगे।

आइआइटी के ई-सेल की ओर से सत्र के पहले आयोजन को लेकर छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह था। आयोजन का उद्देश्य युवाओं के विचारों को आंकने के साथ ही उसे समाज के लिए उपयोगी बनाना है। स्टार्ट-अप के लिए प्रस्तुत विचारों को अगले स्तर तक विकसित करने के लिए संस्थान की ओर से संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। समान विचार वाले प्रतिभागियों की टीम बना दी गई है, जो प्रोटोटाइप (बेसिक मॉडल) विकसित करने की दिशा में साथ मिलकर काम करेंगे। बतौर मेंटर अंकुर मेहता ने प्रतिभागियों के विचार की सराहना की। साथ ही उन्होंने छात्र-छात्राओं को अपने विचार को साकार करने और

- **संस्थान सहित अन्य कालेजों के विद्यार्थियों ने उद्यमशीलता के लिए प्रस्तुत किए विचार**
- **कुल 50 विचारों को मिली वरीयता, टीम बनाकर प्रोटोटाइप पर काम करेंगे प्रतिभागी**

आमजन के लिए उपयोगी बनाने का गुर सिखाया। आयोजन कमेटी से जुड़े अंशुमान झा व शिवम के मुताबिक तीन दिवसीय आयोजन के दौरान पहले दिन प्रतिभागियों को अपने स्टार्ट-अप के लिए जरूरी तकनीकी जानकारी दी जाती है। उसके बाद प्रोटोटाइप (प्रतिकृति) बनाने के लिए समान विचार वाले युवाओं की टीम बना दी जाती है। अगले दो दिन काम करने के बाद अंतिम दिन हर टीम को पैनल के सामने अपना प्रेजेंटेशन देना होता है। शीर्ष तीन टीमों को पुरस्कृत करने के साथ ही आइआइटी-बीएचयू स्थित सिस्को थिंगक्यूबेटर में अपने विचार रखने और उन्हें मूर्त रूप देने का अवसर मिलेगा।

'डाक्टर अराउंड यू' जमा चुका है धाक

मालवीय सेंटर फॉर इनोवेशन, इंक्यूबेशन एंड इंटरप्रेन्योरशिप (एमसीआइआइई), आइआइटी स्थित सिस्को थिंगक्यूबेटर की स्थापना पिछले वर्ष की गई थी। पहले व दूसरे सत्र में 20-20 टीमों को मौका मिला।

दोनों में ही सात विचार फेल हो गए, जबकि 13-13 विचारों यानी कुल 26 विचार को प्रोटोटाइप तक विकसित किया गया। इनमें से 'डाक्टर अराउंड यू' को पुणे में स्थापित करने में नेस्कॉम फाउंडेशन में आर्थिक मदद की थी। लोगों को चिकित्सीय सेवा उपलब्ध कराने वाला यह एप काफी कामयाब साबित हो रहा है। इसमें सभी आइआइटी के ही छात्र हैं।